लंबे समय तक कम रहेगी रेपो दर : मल्होत्रा

विदेशी मुद्रा भंडार 723.8 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर

मुंबई, 06 फरवरी. भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने शुक्रवार को कहा कि अर्थव्यवस्था इस समय अच्छी स्थिति में है, खुदरा मुद्रास्फीति की दर नीचे बनी हुई है और इसे देखते हुए आने वाले लंबे समय तक रेपो दर निचले स्तर पर बनी रहेगी.

श्री मल्होत्रा ने यहां मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की तीन दिन की द्विमासिक बैठक के बाद संवाददाताओं के सवालों के जवाब देते हुए कहा, 'हम अच्छी स्थिति में हैं, मुद्रास्फीति, विशेषकर कोर मुद्रास्फीति, कम बनी हुई है. लंबे समय तक नीतिगत दरें निचले स्तर पर रहेंगी. इसमें और कमी होगी या नहीं यह मैं एमपीसी पर छोड़ता हूं.'

एमपीसी की बैठक में सर्वसम्मति से रेपो दर को 5.25 प्रतिशत पर स्थिर रखने का फैसला किया गया. समिति ने सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर का अनुमान 7.3 प्रतिशत से बढ़ाकर 7.4 प्रतिशत कर दिया. मौद्रिक नीति संबंधित बयान जारी करते हुए श्री मल्होत्रा ने कहा कि भू-राजनैतिक तनाव बढ़ा हुआ है और वैश्विक व्यापार में तनाव बढ़ रहा है. इस बीच भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत बनी हुई है. यूरोपीय संघ और अमेरिका के साथ व्यापार समझौतों से इसे और गति मिलने की संभावना है. रेपो दर के साथ अन्य नीतिगत दरों को भी यथावत रखा गया है.

> आरबीआई ने कहा कि भू-राजनैतिक अनिश्चितता अब भी ऊंची बनी हुई है और व्यापार तनाव भी बढ़ रहा है. इस सबके बीच भारतीय अर्थव्यवस्था के सभी कारक मजबूत हैं. प्रत्यक्ष विदेशी निवेश बढ़ा है. वस्तु निर्यात में भी तीसरी तिमाही में 1.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई है. हालांकि वस्तु आयात में भी 7.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, लेकिन सेवा क्षेत्र के बेहतर प्रदर्शन और विदेशों में रहने वाले भारतीय द्वारा मनीऑर्डर में वृद्धि से चालू खाते का घाटा कम बना हुआ है. विदेशी मुद्रा भंडार का स्तर 11 महीने के वस्तु आयात और दशकों के चालू खाते के घाटे की भरपाई के लिए पर्याप्त है.

पीएफसी-आरईसी विलय : बोर्ड ने दी हरी झंडी

नई दिल्ली, 6 फरवरी. पावर वित्त निगम के बोर्ड ने हाल ही में रिन्यूएबल एनर्जी कारपोरेशन के साथ विलय को सैद्धांतिक रूप से मंजूरी दे दी है. यह कदम केंद्रीय बजट 2026-27 में वित्त मंत्री द्वारा घोषित पुनर्गठन की दिशा में पहला बड़ा कदम है. केंद्रीय आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति से मिली प्राथमिक मंजूरी के तहत पीएफसी ने आरईसी में सरकार की 52.63 प्रतिशत हिस्सेदारी का अधिग्रहण कर लिया है. अब पीएफसी और आरईसी दोनों कंपनियां अपनी कार्यशील संरचना में होल्डिंग और सहायक कंपनियों के रूप में काम करेंगी.बजट भाषण में वित्त मंत्री ने सार्वजनिक क्षेत्र की गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों को मजबूत बनाने और तकनीकी सुधार, दक्षता और ऋण वितरण बढ़ाने के उद्देश्य से पुनर्गठन की योजना का एलान किया था.

शेयर बाजारों में लौटी तेजी

266 अंक उछला सेंसेक्स

50.90 अंक पर मजबूत रहा निफ्टी

मुंबई 6 फरवरी. भारतीय शेयर बाजारों में फिर से तेजी का सिलसिला देखने को मिला, जिससे निवेशकों के चेहरे पर राहत की लकीर आई. प्रमुख सूचकांक बीएसई सेंसेक्स ने दिन के अंत में 266.47 अंक की मजबूती के साथ कारोबार समेटते हुए 83,580.40 अंक पर बंद किया, जबकि एनएसई निफ्टी-50 भी 50.90 अंक ऊपर बंद होकर 25,693.70 अंक पर पहुंचा. शुरुआत में बाजार कुछ दबाव में रहा और निवेशक आरबीआई की मौद्रिक नीति बैठक के फैसले से पहले थोड़ी बेचैनी में दिखे, जिससे दोनों ही बेंचमार्क

सूचकांक समय-समय पर लाल निशान में ट्रेड करते भी देखे गए.

लेकिन व्यापार के मध्य से अंत तक खरीदारी की मजबूत लहर ने बाजार की दिशा बदल दी.

विशेषज्ञों के अनुसार, बाजार में यह उछाल बैर उम्मीदों से ऊपर की-ओवरल प्रदर्शन और कुछ प्रमुख शेयरों में होने वाली ख़रीदारी का परिणाम है. ख़ास तौर पर वित्तीय, ऊर्जा और कंज़्यूमर स्टेपल्स जैसे क्षेत्रों के शेयरों में अच्छा निवेश देखने को मिला, जिससे सेंसेक्स और निफ्टी दोनों ने खुद को मजबूती से स्थापित किया.

> बाज़ार विश्लेषक बताते हैं कि कुछ हफ्तों पहले आई नकारात्मक प्रवृत्तियों और गिरावट के बाद यह उभरती खरीदारी एक सकारात्मक संकेत है, हालांकि निवेशक अभी भी वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों और नीतिगत फैसलों पर नज़र बनाए हुए हैं. बड़ी बात यह है कि अधिकांश सेक्टर्स ने हिरनिशान में ताज़ा उछाल देखा और कई बड़ी कंपनियों के शेयरों में बढ़त ने भी सूचकांकों को समर्थन दिया. निफ्टी-50 के कारोबार में व्यापक मजबूती रही, जिससे यह 25,600 के ऊपर मजबूती के साथ बंद हुआ. विशेषज्ञ आगे यह भी कहते हैं कि बाजार की वर्तमान रौनक अल्प अवधि के ख़रीदारों के बीच उत्साह बना रही है.

सोना 1.51 लाख के पार, चांदी 13 हजार सस्ती

नई दिल्ली, 06 फरवरी. फरवरी 2026 में सोना-चांदी की कीमतों ने एक बार फिर आम लोगों और निवेशकों को राहत दी है। लगातार ऊंचे स्तर पर बने रहने के बाद अब गोल्ड और सिल्वर दोनों के भाव में गिरावट दर्ज की गई है.

खास बात यह है कि 24 कैरेट सोना जहां 1 लाख 51 हजार के पार बना हुआ है, वहीं इसमें एक दिन में 1,000 से ज्यादा की कमी आई है। दूसरी ओर, चांदी की कीमतों में तो और भी बड़ी गिरावट देखने को मिली है, जिससे बाजार में हलचल तेज हो गई है।

शादी-विवाह और निवेश के लिहाज से फरवरी का महीना हमेशा अहम माना जाता है। ऐसे में कीमतों में आई यह नरमी खरीदारों के लिए एक अच्छा मौका साबित हो सकती है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन द्वारा जारी ताजा

आंकड़ों के मुताबिक, शुक्रवार सुबह सोने की सभी शुद्धताओं—24 कैरेट से लेकर 14 कैरेट तक—के दाम नीचे आए हैं। वहीं, 999 शुद्धता वाली चांदी प्रति किलो 13,000 से ज्यादा सस्ती हो गई है। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि अंतरराष्ट्रीय संकेतों और डॉलर की चाल का असर घरेलू सर्राफा बाजार पर साफ दिख रहा है। ऐसे में सवाल उठता है—क्या यह गिरावट आगे भी जारी रहेगी या फिर कीमतें दोबारा चढ़ेंगी इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के अनुसार, 6 फरवरी 2026, शुक्रवार को सोना और चांदी दोनों की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई है.

> गुरुवार शाम की तुलना में शुक्रवार सुबह सोने के भाव में ?900 से 1,000 तक की कमी आई है। 24 कैरेट सोना, जो गुरुवार को 1,52,502 प्रति 10 ग्राम था, अब घटकर 1,51,489 प्रति 10 ग्राम रह गया है। यानी एक ही दिन में इसमें 1,013 की गिरावट दर्ज की गई। इसी तरह 23 कैरेट (995 शुद्धता) सोने का भाव 1,009 घटकर 1,50,882 प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है। 22 कैरेट सोना भी सस्ता हुआ है और इसका रेट 928 गिरकर 1,38,764 प्रति 10 ग्राम हो गया है। अगर बात 18 कैरेट और 14 कैरेट सोने की करें, तो इनमें भी क्रमश: 760 और ?593 की कमी देखी गई है। चांदी की बात करें तो यहां गिरावट और भी ज्यादा चौंकाने वाली है.

आइफोन 17ई का लॉन्च नजदीक

नई दिल्ली 6 फरवरी एप्पल का नया स्मार्टफोन आइफोन 17ई जल्द ही बाजार में लॉन्च होने वाला है. इसके लॉन्च इवेंट की तारीख करीब एक महीने से भी कम समय में आ रही है और इसे लेकर चर्चा लगातार बढ़ रही है. इंटरनेट पर रोजाना नई लीक तस्वीरें और स्पेसिफिकेशन सामने आ रहे हैं, जिससे फोन की लोकप्रियता पहले से ही बढ़ चुकी है. विशेषज्ञों के अनुसार, आइफोन 17ई अपने पिछले 'ई' मॉडल की तुलना में बेहतर तकनीक, कैमरा और प्रदर्शन के साथ आएगा. आइफोन 17ई फरवरी के आखिरी सप्ताह या मार्च के पहले सप्ताह (26 फरवरी से 4 मार्च) के बीच लॉन्च किया जा सकता है. कुछ विशेषज्ञों का अनुमान है कि यह फोन 28 फरवरी 2026 को भी लॉन्च हो सकता है.

पश्चिम रेलवे का अहमदाबाद मंडल बना राजस्व चैंपियन

जनवरी में 14प्रतिशत से ज्यादा बढ़ा कुल राजस्व, यात्री सुविधा से राजस्व तक, अहमदाबाद मंडल अव्वल

33.80 लाख यात्रियों को दी सुरक्षित व सुगम सेवा

अहमदाबाद, 06 फरवरी. जनवरी 2026 में 800 करोड़ से अधिक का राजस्व अर्जित कर बनाया कीर्तिमान पश्चिम रेलवे का अहमदाबाद मंडल यात्रियों को सुरक्षित, सुगम एवं बेहतर सेवाएँ प्रदान करने तथा राजस्व वृद्धि के प्रति निरंतर प्रतिबद्ध है.

इसी क्रम में जनवरी 2026 के दौरान मंडल ने यात्री एवं माल राजस्व, टिकट जांच, गैर-भाड़ा राजस्व तथा व्यवसाय विकास के क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। राजस्व एवं यात्री उपलब्धियाँ अहमदाबाद मंडल ने जनवरी 2026 में कुल 806.86 करोड़ का राजस्व अर्जित किया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 14.43प्रतिशत अधिक है।

> एलपीजी साइडिंग से 12.92 करोड़ का सर्वश्रेष्ठ राजस्व प्राप्त हुआ तथा रक्षा कमोडिटी ने भी नया सर्वकालिक रिकॉर्ड बनाया, जो दिसंबर 2025 के 10.73 करोड़ से अधिक है। सामाखियाली फ्रेट टर्मिनल से ?8.32 करोड़ का सर्वश्रेष्ठ मासिक राजस्व प्राप्त हुआ। स्वच्छता अभियान के अंतर्गत 2,700 मामलों से 5.05 लाख की रिकॉर्ड जुर्माना वसूली की गई। 12.07 करोड़ का गैर-भाड़ा राजस्व अर्जित कर नया कीर्तिमान स्थापित किया गया। प्रतीक्षासूची यात्रियों की सुविधा हेतु 32 विशेष ट्रेन ट्रिप चलाई गईं, जिनसे 5.92 करोड़ का राजस्व प्राप्त हुआ। ई-नीलामी के माध्यम से तीन पार्सल परिसंपत्तियों के लिए तीन वर्ष की लीज प्रदान कर 7.96 करोड़ का राजस्व सुनिश्चित किया गया।

रु.150.57 करोड़ का यात्री राजस्व अर्जित किया गया, जो पिछले वर्ष से 8प्रतिशत अधिक है। रु.642.29 करोड़ का माल राजस्व प्राप्त हुआ, जो पिछले वर्ष से 18प्रतिशत अधिक है। जनवरी 2026 में 33.80 लाख यात्रियों को परिवहन सेवा प्रदान की गई, जो पिछले वर्ष से 9.28प्रतिशत अधिक है।

टिकट जांच अभियानों से 2.25 करोड़ की आय अर्जित हुई, जो पिछले वर्ष से 26.40प्रतिशत अधिक है। सर्वश्रेष्ठ उपलब्धियाँ कंटेनर कमोडिटी से 215.73 करोड़ का सर्वकालिक सर्वश्रेष्ठ मासिक माल राजस्व प्राप्त हुआ, जो दिसंबर 2025 के 211.45 करोड़ से अधिक है। आईएफएफसीओ साइडिंग, खोडियार से 9.44 करोड़ का सर्वश्रेष्ठ मासिक राजस्व अर्जित हुआ, जो अक्टूबर 2025 के 9.21 करोड़ से अधिक है.

50 हजार तक की ठगी पर मिलेगी आर्थिक राहत

मुंबई, 06 फरवरी. डिजिटल बैंकिंग माध्यमों से धोखाधड़ी के शिकार लोगों को बड़ी राहत देते हुए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने ग्राहकों को 25 हजार रुपये तक वापस करने का प्रस्ताव किया है. आरबीआई के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने शुक्रवार को मौद्रिक नीति समिति की बैठक के बाद जारी बयान में बताया कि इसके लिए जल्द ही केंद्रीय बैंक एक फ्रेमवर्क जारी करेगा. इसमें 50 हजार रुपये या उससे कम की धोखाधड़ी के मामलों को शामिल किया जायेगा. श्री मल्होत्रा में बाद में संवाददाताओं के सवालों के जवाब देते हुए बताया कि 'बिना कोई सवाल पूछे' ग्राहकों को 85 प्रतिशत राशि वापस की जायेगी. धोखाधड़ी की राशि में से 15 प्रतिशत का नुकसान ग्राहक को उठाना होगा.और 15 प्रतिशत का नुकसान संबंधित बैंक उठायेगा. शेष 70 प्रतिशत राशि आरबीआई देगा. हालांकि किसी भी स्थिति में ग्राहक को 25,000 रुपये से अधिक का हर्जाना नहीं मिलेगा.

टाटा पंच ईवी में बड़ा अपडेट

नई दिल्ली 6 फरवरी. टाटा मोटर्स अपनी लोकप्रिय एसयूवी पंच ईवी को नए अवतार में पेश करने की तैयारी कर रही है. खबरों के अनुसार, कंपनी 20 फरवरी 2026 को टाटा पंच ईवी फेसलिफ्ट लॉन्च कर सकती है. इससे पहले टाटा ने पंच के पेट्रोल मॉडल को अपडेट किया था, अब इलेक्ट्रिक वर्जन की बारी है. नई पंच ईवी डिज़ाइन में पुराने मॉडल से प्रेरित रहेगी, लेकिन इलेक्ट्रिक पहचान के साथ आएगी. इसमें नया फ्रंट फेसिया, बंद ग्रिल, स्लीक एलईडी हेडलाइट्स और पीछे कनेक्टेड एलईडी टेल-लैंप्स होंगे.

रेपको होम फाइनेंस लिमिटेड के वित्तीय परिणाम - Qx, FY 2025-26

चेन्नई, 6 फरवरी. रेपको होम फाइनेंस लिमिटेड के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने 05 फरवरी 2026 **को हुई अपनी मीटिंग में 31 दिसंबर,** 2025 **को खत्म हुई तिमाही के वित्तीय परिणामों को मंज़ूरी दे दी है।**

कुल लोन बुक 31 दिसंबर, 2025 को 15,394 करोड़ रुपये थी, जबकि एक साल पहले यह 14,155 करोड़ रुपये थी, जिसमें 8.8 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है, और 30 सितंबर, 2025 तक AUM 15,033 करोड़ रुपये था. 31 दिसंबर, 2025 तक, गैर-वेतनभोगी वर्ग को दिए गए लोन बकाया लोन बुक का 52.9% फीसदी थे और वेतनभोगी वर्ग को दिए गए लोन लोन बुक का 47.1 फीसदी थे. हाउसिंग लोन कुल लोन का 71.0% थे, जबकि होम इक्विटी उत्पाद बकाया लोन बुक का 29.0% थे. कंपनी द्वारा दिए गए 100% लोन रिटेल लोन हैं. GNPA 31 दिसंबर, 2025 तक 450 करोड़ रुपये था, जबकि 31 दिसंबर, 2024 तक यह 546 करोड़ रुपये और 30 सितंबर, 2025 तक 475 करोड़ रुपये था.

NNPA 31 दिसंबर, 2025 तक लोन एसेट का 213 करोड़ रुपये था, जबकि 30 दिसंबर, 2024 तक यह 209 करोड़ रुपये और 30 सितंबर, 2025 तक 225 करोड़ रुपये था. 31 दिसंबर, 2025 तक ग्रॉस नॉन-परफॉर्मिंग एसेट्स (GNPA) अनुपात 2.92% और नेट NPA अनुपात लोन एसेट का लगभग 1.38% था. यह 31 दिसंबर, 2024 के 3.86% और 1.51% के मुकाबले है. IND AS के तहत ज़रूरी होने के कारण, कंपनी ने 359 करोड़ रुपये के अपेक्षित क्रेडिट नुकसान के लिए प्रोविज़न रखा है, जो कुल लोन एसेट्स का 2.3% है. Qx FY26 में लोन सैंक्शन 1,087 करोड़ रुपये रहा, जबकि Qx FY 25 में यह 806 करोड़ रुपये था, जो 35% की ग्रोथ दिखाता है. Qx FY26 में लोन डिस्बर्समेंट 1,064 करोड़ रुपये रहा, जबकि Qx FY25 में यह 761 करोड़ रुपये था, जो 40% की ग्रोथ दिखाता है. Qx FY26 में कुल इनकम 457 करोड़ रुपये रही, जबकि Qx FY25 में यह 445 करोड़ रुपये थी, जो 3त्न की ग्रोथ दिखाती है. Qx FY26 में नेट इंटरेस्ट इनकम 208 करोड़ रुपये रही, जबकि Qx FY25 में यह 198 करोड़ रुपये थी, जिसके परिणामस्वरूप 5% की अच्छी ग्रोथ हुई.Qx FY26 में नेट प्रॉफिट 109 करोड़ रुपये रहा, जबकि Qx FY25 में यह 107 करोड़ रुपये था. लोन स्प्रेड 3.8% पर हेल्दी बना रहा. एसेट्स पर रिटर्न 2.9% रहा.

बिटकॉइन हुआ आधा, क्रिप्टो निवेशकों में मचा हाहाकार

नई दिल्ली. क्रिप्टो मार्केट में शुक्रवार को भारी हाहाकार देखने को मिला. मार्केट कैप के हिसाब से दुनिया का सबसे बड़ा क्रिप्टो बिटकॉइन रिकॉर्ड ऊंचाई से लगभग आधा गिर गया है. बिटकॉइन फिलहाल 64,831 पर कारोबार कर रहा है. वहीं एथेरियम भी 2,000 से नीचे आ गया. टॉप-10 क्रिप्टोकरेंसी में पिछले हफ्ते 30 प्रतिशत की गिरावट आई है. बिटकॉइन ने पहली बार 6 नवंबर 2024 को डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति चुनाव में संभावित जीत के चलते 75,000 का रिकॉर्ड पार किया था.

पीके दोबारा खड़ी करेंगे जन सुराज पार्टी

पटना. बिहार विधानसभा चुनाव 225 में मिली करारी शिकस्त के बाद प्रशांत किशोर शांत बैठने वाले नहीं हैं. अपनी जन सुराज पार्टी को फिर से खड़ा करने और उसमें जान फूंकने के लिए वे अब एक नई कवायद शुरू करने जा रहे हैं. पीके 8 फरवरी से बिहार यात्रा पर निकलेंगे, जिसकी शुरुआत पश्चिम चंपारण जिले से होगी.

इस यात्रा के दौरान प्रशांत किशोर विभिन्न जिलों का दौरा करेंगे और पार्टी पदाधिकारियों के साथ मैराथन बैठकें करेंगे. जन सुराज ने उनकी यात्रा के पहले चरण का पूरा कार्यक्रम जारी कर दिया है. 8 फरवरी से 13 फरवरी तक चलने वाले इस दौरे में वे बगहा से लेकर वैशाली तक संगठन की नब्ज टटोलेंगे और कार्यकर्ताओं से सीधा संवाद करेंगे. प्रशांत किशोर की बिहार यात्रा का पहला चरण 8 फरवरी से शुरू होगा.

तय कार्यक्रम के अनुसार, पहले दिन यानी 8 फरवरी को वे पश्चिम चंपारण जिले के बगहा में कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों के साथ अहम मीटिंग करेंगे. इसके अगले दिन 9 फरवरी को बेतिया में बैठक आयोजित होगी.

कहां-कहां जाएंगे प्रशांत किशोर?- उनका काफिला यहीं नहीं रुकेगा, बल्कि 10 फरवरी को वे पूर्वी चंपारण के मोतिहारी पहुंचेंगे. इसके बाद 11 फरवरी को दरभंगा, 12 फरवरी को मुजफ्फरपुर और अंत में 13 फरवरी को वैशाली जिले का दौरा करेंगे. इन छह दिनों के दौरान पीके संगठन की कमजोरियों को परखेंगे और जमीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं में नया जोश भरने का काम करेंगे.

> **जन सुराज में होगा बड़ा बदलाव**
>
> बिहार चुनाव में प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी ने अकेले दम पर सभी सीटों पर चुनाव लड़ा था, लेकिन परिणाम बेहद निराशाजनक रहे और पार्टी एक भी सीट नहीं जीत पाई. इस शर्मनाक हार के बाद संगठन में उथल-पुथल मच गई और कई नेताओं व पदाधिकारियों ने पीके का साथ छोड़ना शुरू कर दिया. अब प्रशांत किशोर जन सुराज को फिर से मजबूत करने के मिशन पर हैं. जन सुराज की ओर से जारी पत्र के मुताबिक, इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य पार्टी को नए सिरे से सशक्त करना, संगठनात्मक पुनर्गठन और नव निर्माण करना है. पीके खुद जिलों में जाकर चर्चा करेंगे.

बीजेपी की जातीय समीकरण की तीरंदाजी

बिहार के कद्दावर नेता साधेंगे वोटों पर निशाना

पटना. बंगाल विधानसभा चुनाव के रण में बिहारियों का दिल जीतने को बिहार भाजपा के रणबांकुरे अब अपना डेरा जमाने की दिशा में आगे बढ़ चले हैं. प्रदेश के रणनीतिकारों ने चुन-चुन कर अपने उन रणबांकुरों को पश्चिम बंगाल की कमान सौंपी है जिन्हें अपनी-अपनी जाति के नेता होने का गौरव प्राप्त है.

भाजपा के रणनीतिकारों ने पश्चिम बंगाल में फिलहाल सोशल इंजीनियरिंग के नामचीन सिपहसालारों को चुनावी आधार तैयार करने को जमीन पर उतार दिया है. हालांकि बिहार की तरह जातीय जकड़न में पश्चिम बंगाल भले नहीं बंधा हो पर जो लोग यूपी और बिहार से पलायन करके पश्चिम बंगाल में रोजी-रोटी कमा रहे हैं, अब उनके कदम भी राजनीति में बड़ी मजबूती से आगे बढ़ने लगे हैं. अब ऐसे लोगों को रिझाने के लिए भाजपा ने जातीय पहचान लिए कद्दावर नेताओं को टारगेट देते हुए सरजमी पर उतारा है. चलिए जानते हैं बिहार के ऐसे कद्दावर नेताओं को जो पश्चिम बंगाल में अपनी अपनी जाति के वोटों को भाजपा के उम्मीदवारों के पक्ष में करने में जुट गए हैं.

कौन है ये कद्दावर नेता?- बिहार भाजपा ने बिहार से पश्चिम बंगाल में रच बस गए यादव वोटरों को भाजपा उम्मीदवारों के पक्ष में वोट करने के लिए पूर्व मंत्री रामसूरत राय को पश्चिम बंगाल की भूमि पर प्रचार करके उम्मीदवारों को जिताने की जिम्मेदारी सौंपी है. भूमिहार और ब्राह्मण जाति के वोटरों को भाजपा के पक्ष में करने को देवेश मिश्रा और पूर्व मंत्री जीवेश मिश्रा को पश्चिम बंगाल भेजा है.

> **कौन कौन सा विधानसभा क्षेत्र है निशाने पर**
>
> बीजेपी के रणनीतिकारों की नजर में उत्तरी बंगाल की 31 विधानसभा सीटें हैं. इन सारी सीटों पर बिहार के जातीय समीकरण को फिट कर बिहार जैसी ही बंपर जीत हासिल करने का लक्ष्य है. बीजेपी के वरिष्ठ नेता, पदाधिकारी और अनुभवी कार्यकर्ता पश्चिम बंगाल के सीमावर्ती इलाके, शहरी क्षेत्रों और प्रवासी बिहारी मतदाताओं वाले क्षेत्रों में अपनी पैठ बनाने में लग गए हैं ताकि चुनाव नजदीक आते-आते वोट ट्रांसफर कराने में सफलता मिल सके.

लालू परिवार की मुश्किलें बढ़ेंगी

पटना. रेलवे में नौकरी के बदले जमीन मामले में दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने रोजाना की सुनवाई की तारीख तय कर दी है. अदालत ने कहा है कि नौ मार्च से इस मामले की रोज सुनवाई होगी.

ध्यान रहे यह मामला लालू प्रसाद के रेल मंत्री रहने के दौरान का है. यानी 2004 से 2009 के बीच का मामला है यह. सोचें, 16 साल के बाद मामला ट्रायल में जा रहा है. उसमें भी इसे रोकने या देरी करने की तमाम कोशिशें हुईं. इस मामले में आरोपी राबड़ी देवी ने जज बदलने की याचिका भी लगाई थी, जिसे जिला व सत्र न्यायाधीश ने खारिज कर दिया. इसी तरह दिन प्रतिदिन की सुनवाई रोकने का भी

प्रयास हुआ था. लालू प्रसाद की सेबत का हवाला भी दिया गया था. लेकिन कोई दांव काम नहीं आया.

पिछली सुनवाई पर लालू प्रसाद यादव, राबड़ी देवी, तेज प्रताप यादव और तेजस्वी यादव इन चारों में से कोई भी हाजिर नहीं हुआ, जिससे इनके खिलाफ आरोप नहीं तय किया जा सका. लालू प्रसाद की दो बेटियां मीसा भारती और हेमा यादव पहुंचे और उन्होंने कहा कि वे इस मामले में बेकसूर हैं.

विशेष | स्टालिन का क्या होगा? जानें सर्वे में और क्या-क्या

तमिलनाडु में सीएम की रेस में विजय थलापति

चेन्नई. तमिलनाडु की 234 विधानसभा सीटों के लिए होने वाले चुनावी रण का तापमान बढ़ गया है. वोट वाइब के हालिया सर्वे के मुताबिक प्रदेश में सत्ता विरोधी लहर (एंटी इनकंबेंसी) स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही है. सर्वे में शामिल 58त्न लोगों का मानना है कि इस बार सरकार बदलने के पूरे आसार हैं. केवल 21प्रतिशत लोग मौजूदा सरकार की वापसी की उम्मीद कर रहे हैं.

जनता से मुख्यमंत्री के पसंदीदा चेहरे के बारे में पूछा गया तो 33.3 प्रतिशत लोगों ने एमके

स्टालिन (डीएमके और सहयोगी दल) पर भरोसा जताया. एआईडीएमके और सहयोगी दल के नेता ई. पलानीस्वामी (इपीएस) 29.8 प्रतिशत के साथ दूसरे स्थान पर हैं. अभिनेता विजय थलापति 23.2 प्रतिशत लोकप्रियता के साथ तीसरे नंबर पर काबिज हैं. यह नई पार्टी के लिए काफी प्रभावशाली माना जा रहा है.

किसे मिलेगा कितना वोट?- वोट शेयर की बात करें तो डीएमके एवं सहयोगी दल और एआईडीएमके के नेतृत्व वाले सहयोगी दल के बीच कांटे का मुकाबला दिख रहा है. डीएमके एवं इसके सहयोगी दलों को 35.8 प्रतिशत और एआईडीएमके एवं सहयोगी दलों को 33.8 प्रतिशत वोट मिलने का अनुमान है. इन दोनों के बीच केवल 2 फीसदी का अंतर है. जो चुनाव नतीजों को किसी भी तरफ मोड़ सकता है. वहीं, विजय थलापति की पार्टी टीवीके को 19.2 प्रतिशत वोट मिलने की उम्मीद जताई गई है.

विजय थलापति बनेंगे किंगमेकर?- सबसे दिलचस्प सवाल विजय थलापति की भूमिका को लेकर था. सर्वे के चौंकाने वाले नतीजों में 31.4 प्रतिशत लोगों का मानना है कि विजय का हाल बिहार के प्रशांत किशोर जैसा होगा, जिनकी पार्टी जन सुराज 2025 के बिहार चुनाव में एक सीट नहीं जीत पाई थी. इसके अतिरिक्त 22.1 प्रतिशत लोग उन्हें वोट कटवा मान रहे हैं. महज 7.8 प्रतिशत लोगों को लगता है कि वह किंगमेकर की भूमिका निभा पाएंगे.

> **हर 5 साल में सत्ता परिवर्तन की परंपरा**
>
> तमिलनाडु की परंपरा रही है कि यहां हर 5 साल में सत्ता परिवर्तन होता है, लेकिन कुछ चुनावों ने इस मिथक को तोड़ा भी है. अब देखना होगा कि विजय थलापति का ग्लैमर वोटों में तब्दील होता है या राज्य फिर से अपनी पुरानी द्रविड़ राजनीति के इर्द-गिर्द ही सिमट कर रह जाता है.